an>

Title: Issue regarding alleged engagement of girl students in labour work in Kasturba Gandhi Balika Awasiya Vidyalaya.

डॉ. संघमित्रा मौर्य (बदायूं): अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर सरकार का ध्यान केन्द्रित करना चाहूंगी । महोदय, शिक्षा एक ऐसा मार्ग है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति, कोई भी वर्ग और कोई भी समाज आगे बढ़ सकता है । इसीलिए सरकार समय-समय पर तमाम योजनाएं लाने का काम करती हैं, जिससे लोगों को आगे बढ़ने का मौका मिल सके । उन्हीं योजनाओं में से एक योजना कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की है ।

महोदय, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय खोलने का मकसद यह था कि अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़े, गरीब और ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों को अच्छी और फ्री शिक्षा मिल सके । लेकिन मुझे बड़े दुख के साथ आपको अवगत करवाना पड़ रहा है कि कल प्रयागराज के सोरावं जिले में गोहरी गांव के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में वहां की प्रबंध समिति बच्चियों से मिट्टियां उठवा रही थीं और मिट्टी को उठाने के दौरान बगल में खड़ी हुई दीवार बच्चियों के ऊपर गिर गई और तीन बच्चियां बुरी तरह से घायल हो गईं । उन तीन बच्चियों में से दो बच्चियों के पैर टूट गए । जहां अभिभावक बच्चों को यह सोचकर भेजते हैं कि वहां पर बच्चा जाएगा तो अच्छी जिंदगी का निर्माण करेगा, अच्छी शिक्षा ग्रहण करेगा, वहीं पर वे तीन बच्चियां जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करती हूँ कि ऐसे संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई हो और जो लोग उन बच्चियों से मजदूरी करवा रहे थे, उन लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो ताकि केन्द्र सरकार का जो सपना है या हमारी सरकार गरीबों और बच्चियों को आगे बढ़ाने के लिए जो काम

कर रही है, वह सफल हो सके। इसलिए मैं आपके माध्यम से चाहती हूँ कि उन लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। मैं आपसे यह भी मांग करती हूँ कि उन तीन बच्चियों के साथ-साथ अन्य बालिकाओं को भी न्याय मिले।